www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 320 || लखनऊ
सोमवार
23 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:36
सूर्यास्तः 06:04
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 14°00

पेज 03

विशेष समाचार अगर कांग्रेस ने अब भी सुधार ... >> पेज 02 | पत्नी, 3 बच्चों की हत्या कर जान दी... >> पेज 04 | तापसी पन्नू ने खत्म किया कंगना से ...

पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो, मेरठ में रैपिडएक्समेट्रो रेल का उद्घाटन किया

देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे : मोदी

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने AI समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा AI सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें TMC, DMK या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है।

>> (शेष पेज 04 पर)

'देश के छोटे-बड़े शहरों के सामर्थ्य को दुनिया के कोने-कोने तक ले जाना मकसद'

मोदी ने कहा- साथियों, बीते वर्षों में भाजपा की सरकार ने जो वैश्विक समझौते किए हैं, उससे भारत के लघु और कुटीर उद्योगों से जुड़े लोगों को फायदा होगा। मेरठ के स्पोर्ट्स प्रोडक्ट, कैंची और खुर्जा की क्राकरी, मुरादाबाद का पीतल, सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी आदि से जुड़े लोगों को इसका फायदा होगा। भाजपा की प्राथमिकता देश के छोटे-बड़े शहरों के सामर्थ्य को दुनिया के कोने-कोने तक ले जाने का है।

"मोदी ने कहा- साथियों, कोई कल्पना नहीं कर सकता। हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। ये लोग मेरी कब्र खोदना चाहते हैं। मेरी मां को भी गाली देने से इन्हें कोई परहेज नहीं है। उन्हें भाजपा और एनडीए से विरोध है। ठीक है, आपकी राजनीति में यही करना जरूरी है। हम इसे भी सहन कर लेंगे।

कांग्रेस-सपा से कहा था जहरीली राजनीति छोड़िए

पीएम मोदी ने कहा- मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन, इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में 5 ही शहरों में मेट्रो थी। आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है।

पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे

मोदी ने कहा- जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी।

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देना हमारे लिए सौभाग्यः पीएम मोदी

मोदी ने कहा- पहले छोटे कारीगर केवल 10 लाख रुपए तक का सामान कोरियर से भेज सकते थे। अब ये सीमा पूरी तरह से हटा दी गई है। इससे मेरठ सहित यूपी के सभी बुनकर और अन्य उद्यमी ऑनलाइन अमेरिका या यूरोप से जुड़े अपने ग्राहक को भेज पाएंगे। मेरठ, हापुड़ और आसपास के लोगों ने चौधरी चरण सिंह के विजन को देखा है।

'किसी की हिम्मत नहीं कि कॉलेज से निकल रही हमारी बेटी का अपमान कर सके'

मोदी ने कहा- भाजपा सरकार के लिए देश का विकास, यूपी का विकास सर्वोपरि है। याद करिए, 10 साल पहले यूपी की चर्चा किन बातों की होती थी? हर किसी को मेरठ के दंगे, पश्चिमी यूपी की क्रिमिनल गैंग, खराब सड़कें, बिजली कटौती और पिछड़ेपन की परिस्थितियां ही चर्चे में रहता था। पश्चिमी यूपी के अपराध पर फिल्में बनती थीं। सपा सरकार ने यूपी का ये हाल करके रखा था। लेकिन आज यूपी को विकास के लिए जाना जा रहा है। आज यूपी को ब्रह्मोस, मोबाइल फोन बनाने, पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या के लिए जाना जाता था। सपा के राज में जो अपराधी बेखौफ घूमा करते थे, वो आज योगी की सरकार में जेलों में दिन बिता रहे हैं। आज किसी की हिम्मत नहीं कि कॉलेज से निकल रही हमारी किसी बेटी का अपमान कर सके।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जैश के 3 आतंकी ढेर

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारियों ने 3 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। एनकाउंटर अभी भी जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था। किश्तवाड़ में चलाए गए एनकाउंटर में इंडियन आर्मी के 2 पैरा (SF) के K9 डॉग टायसन को भी गोली लगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

अजित पवार प्लेन क्रैश : 28 फरवरी तक आएगी रिपोर्ट

विपक्ष का फडणवीस की टी पार्टी में जाने से इनकार

- अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर हुए हादसे में निधन हो गया था।
- रोहित पवार ने शनिवार को दिल्ली में अजित पवार विमान हादसे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की प्लेन क्रैश में हुई मौत की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट 28 फरवरी तक जारी की जाएगी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। मुरलीधर मोहोल ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट

घटना के एक महीने के भीतर 28 फरवरी तक आ जाएगी। इस बीच, अजित पवार की मौत पर राज्य सरकार के रुख को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने बजट सत्र से पहले होने वाली पारंपरिक हाई-टी पार्टी का बहिष्कार किया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता जाधवने कहा कि अजित पवार की मौत के मामले में महाराष्ट्र सरकार का रुख स्पष्ट नहीं है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

ग्वालियर के कांग्रेस नेता को ले गई दिल्ली पुलिस

ग्वालियर। दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर से युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव को गिरफ्तार किया है। यादव पर दिल्ली में आयोजित AI समिट 2026 के दौरान अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आरोप है। फिलहाल, दिल्ली पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई है। मामले पर स्थानीय पुलिस के अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। वहीं, जितेंद्र के पिता केशव यादव ने कहा कि पुलिस मामले में कुछ ठोस नहीं बता रही है।

सड़क हादसे में 5 पुलिसकर्मियों की मौत

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में पुलिस की बोलेरो को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो सवार 5 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। 3 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा रविवार सुबह 4 बजे झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास हुआ। पुलिसकर्मी गश्त पर निकले थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस बोलेरो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके कारण घायल पुलिसकर्मी उसी में फंस गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला था। वहीं, हादसे पर राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दुख जताया। उन्होंने मृतकों के लिए 5 लाख रुपए के मुआवजे का एलान किया।

एमपी में 7 जिलों में बारिश का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देश के पहाड़ी और मैदानी राज्यों में तेजी से मौसम में बदलाव हो रहा है। मध्य प्रदेश में फरवरी के महीने में चौथी बार बारिश का अलर्ट है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) और टर्फ की एक्टिविटी की वजह से मौसम बदला है। मौसम विभाग ने राज्य के मंडला, डिंडौरी समेत 7 जिलों में पानी गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई।

'केशव-पाठक को ऑफर- 100 विधायक लाइए, सीएम बन जाइए'

अखिलेश बोले- ऑफर सिर्फ एक हफ्ते के लिए है

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन शोषण की FIR दर्ज होने पर जमकर भड़के। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- जगद्गुरु रामभद्राचार्य को पहले ही जेल भेज देना चाहिए था। एक समय उन पर दर्ज मुकदमा वापस लिया गया था। विचारों को लेकर झगड़े हो जाते हैं। लेकिन, आप इस स्तर तक चले जाएंगे कि ऐसे आरोप लगवाएंगे। इसीलिए मैं कह रहा हूं कि यह सरकार अब बचने वाली नहीं। दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट में दो बच्चों को पेश कर अविमुक्तेश्वरानंद पर गंभीर आरोप लगाए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

'राहुल गांधी और मेरा घर भाजपा ने छीन लिया'

अखिलेश ने कहा- हम सपा के लोग घबराने वालों में से नहीं। सब सुरक्षा वापस भी ले लेंगे, तब भी हम लोग उन्हें सरकार से हटा देंगे। सवाल यह है कि आपने किस आधार पर सुरक्षा हटा ली? कोई जानकारी तो होनी चाहिए न। माली भी गिन लिए, गेट खोलने वाले भी गिन लिए कि सबसे ज्यादा सुरक्षा आपकी है।

पॉक्सो एक्ट में हुआ केस, शंकराचार्य बोले- मुकदमा करने वाला हिस्ट्रीशीटर, सच सामने आएगा

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले FIR दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज FIR में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था। वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि रामभद्राचार्य के शिष्य मुकुंदानंद ने केस किया है।

आशुतोष ब्रह्मचारी का डिप्टी सीएम और अखिलेश यादव को चैलेंज

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा था- अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम से कहना चाहता हूं कि मेरे साथ पैदल यात्रा में चलिए। विद्यामठ, बनारस जा रहा हूं, जहां शंकराचार्य रंगरलियां मनाते हैं। पंचम तल दिखाना चाहता हूं, जहां पर इनका शीश महल है। वहां इनकी सखियां रहती हैं, जिनका नाम भी पता है। आज से मेरी पैदल यात्रा चलेगी। हम न्याय के लिए दर-दर लोगों के बीच में जाएंगे। लोगों को ऐसे पद पर नहीं बैठना चाहिए। ये लोग जेल के अंदर होने चाहिए। इसलिए हम लोग आज से यात्रा शुरू कर रहे हैं।

"शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया था- हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है।

अटैक : सभी एक परिवार के, पाक बोला- टीटीपी के 7 कैंपों को निशाना बनाया, आत्मघाती हमलों का बदला लिया

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, 16 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।' अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए।

अफगानिस्तान बोला- सही समय पर कड़ा जवाब देंगे

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया।

पाकिस्तान की मांग- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान पर दबाव डाले

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह 2020 में दोहा में अमेरिका के साथ हुए समझौते के तहत तालिबान पर दबाव डाले, ताकि अफगान जमीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खिलाफ न हो। इसमें विशेष रूप से अल-कायदा और अन्य अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों से संबंध तोड़ने और उन्हें अफगानिस्तान में भर्ती, प्रशिक्षण, फंडिंग या हमले की अनुमति न देने का वादा शामिल था।

तमिलनाडु बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

हमले की साजिश थी, आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से कनेक्शन

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

तिरुप्पुर/नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं। इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकियों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोपी है। इसके अलावा दिल्ली में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर लगाने में भी शामिल होने का शक है। सभी को ट्रेन से दिल्ली लाया जा रहा है। एक दिन पहले ही केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने देश के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर टेरर अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसके बाद दिल्ली में लाल किला, चांदनी चौक में सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर स्थिति पर नजर रख रही हैं। संवेदनशील इलाकों में CCTV से निगरानी की जा रही है।

- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम की गिरफ्त में संदिग्ध शख्स (लाल घेरे में)।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दी हेकड़ी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को अवैध ठहराया, जिससे उनकी मनमानी पर रोक लगी। यह फैसला ट्रंप के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका है, खासकर मध्यावधि चुनावों से पहले। हालांकि, ट्रंप ने तुरंत 10% टैरिफ का कार्यकारी आदेश जारी किया। लेख चेतावनी देता है कि ट्रंप अप्रत्याशित कदम उठा सकते हैं, और भारत को उनसे सतर्क रहना होगा। मुझे टैरिफ से प्यार है और यह मेरा पसंदीदा शब्द है, ऐसा कहकर इतराने वाले राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हेकड़ी निकाल दी। उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत समेत तमाम देशों पर थोपे गए टैरिफ को अवैध करार दिया। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के उन दो न्यायाधीशों ने भी ट्रंप की टैरिफ नीति को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर माना, जिनकी नियुक्ति स्वयं उन्होंने की थी। इससे पता चलता है कि ट्रंप टैरिफ के मामले में किस तरह नियम-कानूनों की घोर अनदेखी करने में लगे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल ट्रंप की टैरिफ नीति की हवा निकालने वाला, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने वाला भी है, क्योंकि वे एक तरह से अवैधानिक काम करते पकड़े गए। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति के जरिये अपने समर्थकों के बीच यह माहौल बनाने में जुटे थे कि वे अमेरिका को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें भी ठगे जाने का अहसास होगा और वह भी ऐसे समय, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की कम होती लोकप्रियता को और कम करने वाला है और इसका उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन यह भी तय है कि वे चैन से बैठने वाले नहीं हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक कार्यकारी आदेश जारी कर सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि इसकी अवधि पांच महीने ही रहेगी, लेकिन इस बीच ट्रंप अन्य उपायों का सहारा लेने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप अमेरिका के साथ अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यापार का आरोप लगाकर कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ थोप सकते हैं। इसी तरह वैसे आयात पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं, जिनसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा हो, लेकिन इन उपायों को अमल में लाने के लिए उन्हें जांच के जरिये यह सिद्ध करना होगा कि वास्तव में अमुक-अमुक देश अनुचित व्यापार नीति पर चल रहे हैं या फिर अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। चूंकि ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने के नारे के बहाने अपने स्वार्थों को पूरा करने और अपनी छवि चमकाने के फेर में रहते हैं, इसलिए टैरिफ से इतर मामलों में मनमाने, अप्रत्याशित और विश्व को मुश्किल में डालने वाले फैसले ले सकते हैं। अपने लोगों का ध्यान बंटाने के लिए वे ईरान पर हमला कर सकते हैं। वे उसकी घेराबंदी करने में जुटे ही हैं। वे क्यूबा और कुछ अन्य देशों पर भी अपनी निगाह टेढ़ी कर सकते हैं। जो भी हो, भारत को उनसे तब भी सावधान रहना होगा, जब अमेरिका से अंतरिम व्यापार समझौता हो जाए, क्योंकि वे भरोसे के काबिल नहीं रह गए हैं।

अगर कांग्रेस ने अब भी सुधार नहीं किए तो वह दिन दूर नहीं जब यह पार्टी इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगी

> अगर पार्टी को फिर से खड़ा होना है तो उसे कई कठोर फैसले लेने होंगे। सबसे पहले, पार्टी को गांधी परिवार की छाया से बाहर निकलना होगा और लोकतांत्रिक तरीके से नेतृत्व चुनना होगा। दूसरा, जमीनी संगठन को फिर से मजबूत करना होगा।

देखा जाय तो कांग्रेस 2014 से लगातार गलतियों पर गलतियां कर रही है । हाल कि गलती से जो हाल में उसकी किरकिरी हुई है उससे उसके ही साथी दल नाराज है और कांग्रेस से किनारा कर रहे है । बताया जाता है कि दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'AI इंडिया समिट 2026' में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के किए गए शर्टलेस प्रदर्शन की जमकर निंदा हो रही है। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने भी इस प्रदर्शन की आलोचना की।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने झांसी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सामने ऐसा नहीं करना चाहिए था। यूथ कांग्रेस को विदेशी डेलीगेट्स के सामने अपमान करने से बचना चाहिए था । उन्होंने इशारों-इशारों में आगे कहा, 'अब जो और हंगामा (कांग्रेस यूथ का प्रदर्शन) हुआ है, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। भाजपा सरकार झूठ बोलती है धोखा देती है। वह अलग बात है कि हमारे बीच मतभेद हैं, हम आंतरिक लड़ाई लड़ सकते हैं। अब तो पूरा देश जान चुका है कि बीजेपी झूठ बोलती है, लेकिन ऐसा प्रदर्शन नहीं होना चाहिए था जिससे विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सामने देश का अपमान हो।' इससे पहले बहुजन समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कृत्य की कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि अगर यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन समिट के दौरान ऐसा आचरण देश की गरिमा और छवि को धूमिल करने वाला था, ऐसा नहीं करना ही उचित होगा। मायावती ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा, 'नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' जिसमें देश और विदेश के भी काफी प्रमुख लोग आमंत्रित थे और इवेंट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्ख़ियों में था। इस दौरान जिन भी लोगों द्वारा अर्द्धनग्न होकर अपना रोष प्रकट किया है जिसमें अधिकतर कांग्रेसी युवा बताए जा रहे हैं, वह अति-अशोभनीय और निन्दनीय है।'उन्होंने आगे लिखा, 'अगर यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का नहीं होता तो अलग बात थी, लेकिन समिट के दौरान ऐसा आचरण करना यह चिन्ता की बात है अर्थात अपने देश की गरिमा और छवि को

ना बिगाड़ा जाये तो इसके बाद वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया और पूर्व आंध्र मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने भी कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दुनिया के सामने हमें एकजुट होकर नजर आना जरूरी है। उन्होंने लिखा, ₹कल एआई समिट में यूथ कांग्रेस ने हम सभी को शर्मिंदा किया है। हमारी राजनीति किस दिशा में जा रही है। किसी को भी कभी हमारे देश को ऐसे नीचा नहीं दिखाना चाहिए। राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दुनिया के सामने हमें आपस में एकजुट होकर ही रहना चाहिए। भाजपा समेत तमाम पार्टियों ने भले ही इस मुद्दे पर सरकार का साथ दिया हो, लेकिन कांग्रेस पार्टी अभी भी अपनी गलती न मानते हुए अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हुई है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से कहा गया है कि भारत एक लोकतंत्र है और लोकतंत्र में, विरोध करने का अधिकार सभी का होता है, सभी को अपनी राय रखने का अधिकार होता है।पार्टी का कहना है कि यह प्रदर्शन 'लाखों गुस्साए बेरोजगार युवाओं की आवाज₹ थी। इस विरोध प्रदर्शन का निशाना 'समझौता करने वाले' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। कांग्रेस ने कहा कि यूथ कांग्रेस AI समिट के खिलाफ नहीं हैं, और वे अब और चुप नहीं बैठेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि देश में पिछले 12 सालों से दरारों को छिपाया जा रहा है। आज देश के नौजवानों ने उन दरारों पर चिपकाए गए इश्तेहारों को फाड़ दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी कहना है कि आज यूथ कांग्रेस ने नौजवानों के रोष, गुस्से को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के जरिये एआई समिट में दर्ज कराया। खेड़ा ने कहा कि मीडिया का एक धड़ा इसको लेकर शोर मचा रहा है कि बहुत गलत जगह विरोध प्रदर्शन किया है। इससे देश की बदनामी हो गई। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि विरोध प्रदर्शन कहां किया जाता है? उन्होंने कहा कि विरोध वहीं होता है जहां लोगों को दिखता है। कांग्रेस नेता ने शायराना अंदाज में सरकार पर तंज कसा।दरअसल कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या नेतृत्व की कमी है। राहुल गांधी को युवा नेता के तौर पर पेश किया गया, लेकिन वे जनता से जुड़ने में नाकाम रहे। उनकी सबसे बड़ी गलती यह रही कि वे राजनीति को गंभीरता से नहीं ले सके। 2014 में "आलू से सोना बनाने" वाला बयान हो या चुनाव प्रचार के दौरान छुट्टियां मनाना ऐसे कई मौके आए जब राहुल की छवि एक गैर-गंभीर नेता की बनी। वे न तो पार्टी संगठन को मजबूत कर पाए और न ही चुनावी रणनीति में कोई नया प्रयोग किया।राहुल गांधी की दूसरी बड़ी गलती थी, युवा नेताओं को आगे न बढ़ाना। ज्योतिरादित्य सिंधिया, हिमंता बिस्वा सरमा जैसे कई युवा नेता कांग्रेस छोड़कर चले गए क्योंकि उन्हें पार्टी में उचित सम्मान नहीं मिला। कांग्रेस पार्टी का पूरा ढांचा गांधी परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है। पार्टी में लोकतांत्रिक तरीके से नेता नहीं चुने जाते। चाहे कोई कितना भी मेहनत करे, अगर वह गांधी परिवार के करीब नहीं है तो उसे महत्वपूर्ण पद नहीं मिलता। इस "रॉयल फैमिली" वाली छवि ने पार्टी को बहुत नुकसान पहुंचाया है। आम जनता को लगता है कि यह पार्टी सिर्फ एक परिवार की संपत्ति है। 1990 के दशक तक कांग्रेस का हर गांव, हर मोहल्ले में मजबूत संगठन था। लेकिन आज वह संगठन लगभग खत्म हो चुका है। कांग्रेस कार्यकर्ता अब सक्रिय नहीं रहे। दूसरी तरफ, भाजपा ने RSS के माध्यम से जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन खड़ा कर लिया है। कांग्रेस के पास न तो कार्यकर्ता हैं और न ही उन्हें प्रेरित करने का कोई विचार। मोदी सरकार ने राष्ट्रवाद, विकास और हिंदू पहचान के मुद्दों को बहुत प्रभावी तरीके से उठाया। कांग्रेस इसका कोई प्रभावी जवाब नहीं दे पाई। पार्टी ने अपनी राजनीति में कोई नई सोच नहीं विकसित की। वे न तो विकास के मुद्दे पर भाजपा को चुनौती दे पाए और न ही अपनी धर्मनिरपेक्षता की बात को नए तरीके से पेश कर पाए। हर चुनाव में कांग्रेस सिर्फ "मोदी विरोध" करती दिखी, लेकिन अपना कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं रख पाई। आज के दौर में गठबंधन की राजनीति बहुत जरूरी है, लेकिन कांग्रेस इसमें बहुत कमजोर साबित हुई है। बिहार में ही देखें तो राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर काफी विवाद हुआ। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया क्योंकि उन्हें लगता है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन से फायदा नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस दोनों ही कांग्रेस को गंभीर सहयोगी नहीं मानते।

अशोक भाटिया

बाहरियों से नहीं, अपनों से कैसे निपटेंगे योगी आदित्यनाथ

कल सचिवालय में एक अधिकारी ने बातचीत के दौरान कहा 'भारतीय जनता पार्टी को कोई हरा नहीं सकता. उसे अगर कोई हरा सकता है तो वह खुद भारतीय जनता पार्टी ही है। यूपी में उसे न पीडीए की धारा चलाकर सपा हरा सकती है, न मुस्लिम तुष्टिकरण करके कांग्रेस।' उनकी इस बात के बाद यूपी की सियासत के नौ साल के पन्ने जैसे ताजे हो गये। पिछले नौ सालों से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरोधी उनकी ताजपोशी के बाद ही सक्रिय हो गये थे लेकिन अब जब चुनाव के मात्र कुछ महीने या फिर यूं कहें कि एक साल ही शेष है तो हर मुद्दा ऐसा खड़ा हो रहा है जो आने वाले चुनाव में योगी को हर दिन पीछे करता हुआ दिख रहा है। योगी आदित्यनाथ को बाहर से हराने का माद्दा न तो समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव में हैं, न ही खुद अपनी जमीन तलाश रही कांग्रेस में है। बसपा तो मानो अपने अस्तित्व को ही संजोने में जुटी है। उनको अगर कोई हरा सकता है तो खुद भाजपा ही है और उन्हें इन दिनों अंदर से ही चुनौती मिल रही है। इन चुनौती देने वालों में केंद्रीय नेतृत्व से अमित शाह और उत्तर प्रदेश के दोनो उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य और बृजेश पाठक हैं। बीते लगभग दो दशकों से यह चर्चा भी सिर उठा रही है कि प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के बाद दावेदार कौन तो बरबस ही योगी आदित्यनाथ का नाम आता है जबकि इसके वास्तविक उत्तराधिकारी अमित शाह हैं । इसीलिए सियासी गलियारें में अक्सर यह कहा जाता है कि अमित शाह की राह में अगर कोई सबसे बड़ा रोड़ा है तो वह शाह ही हैं। अमित शाह ने योगी की राह में रोड़े तब से बिछाने शुरू किये जब से बीते लोकसभा चुनाव हो रहे थे । याद कीजिये टिकटों के बंटवारे में योगी की नहीं चली।

राजेश श्रीवास्तव

जन सुराज का...

ललित गर्ग

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल

लाभ और वर्चस्व की दौड़। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है।

जल्द दुनिया ...

अनुज अग्रवाल

ए आई की अंधेरी दुनिया और हमारा भविष्य

मेरे एक करीबी रिश्तेदार अमेरिका में आईटी कंपनी में बड़े पद पर कार्यरत हैं । उनकी कंपनी "अमेरिकन एयरलाइंस" के लिए एआई सेटअप तैयार कर रही है । कल उनका फ़ोन आया था और वे बता रहे थे कि सन 2027 में उनकी कंपनी अमेरिकन एयरलाइंस के लिए 2500 एआई एजेंट्स तैयार करके देने वाले हैं । एक एआई एजेंट 20 कुशल पेशेवर लोगों की जगह ले लेगा । हर पाँच एआई एजेंटस के संचालन के लिए एक सीनियर मैनेजर नियुक्त किया जाएगा , यानि कुल मिलाकर पचास हज़ार वर्क फ़ोर्स की जगह ये 2500 एआई मैनेजर ले लेंगे और इनके संचालन के लिए मात्र पाँच सौ उच्च प्रशिक्षित एआई इंजीनियर नियुक्त किए जाएँगे , यानि 49500 लोग सड़क पर आ जाएँगे । एक एआई एजेंट को एक साल ऑपरेट करने की लागत मात्र 15 - 20 हज़ार डॉलर तक ही आएगी , यानि एयरलाइनएस का मैनपावर का खर्च 5% से भी कम रह जाएगा । इसी तरह एआई का उपयोग विश्व की सभी फार्च्यून 500 कंपनी करने जा रही हैं । विश्व की सभी MSME इन्हीं फॉर्च्यून 500 कंपनियों को उत्पाद सप्लाई करती हैं और उन्हें भी मजबूर होकर अपनी लागत घटाने के लिए एआई एजेंट के माध्यम से काम करना होगा जिससे सभी छोटी बड़ी कंपनियों में मात्र 5 से 10% मैनपावर की ही आवश्यकता रह जाएगी , और यह सब बस अगले एक दो सालों में होने जा रहा है । सारी राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्थाएं भरभरा कर गिर जायेंगी । दुनिया के सभी देशों की सरकारें इन्ही कंपनियों की गुलाम हैं । दुनिया के 10% लोग कुल जीडीपी का 90% खर्च करते हैं

और बाक़ी 90% मात्र 10%, और डर है कि टेक्नोलॉजी के नए खेल इन 90% की जिंदगी और भविष्य को जड़ से न मिटा दें । इसीलिए कहा जा रहा है कि AI आ रहा है और सभी जॉब खा रहा है । देश के देश निगलने वाला है यह । क्लाइमेट चेंज से भी बड़ी आपदा है यह । जल्द दुनिया भर में सरकारों को " यूनिवर्सल पेंशन स्कीम " शुरू करनी पड़ेगी क्योंकि सब काम रोबोट, मशीन और एआई से होंगे और लोग बजायेंगे " घंटा "। जब लोग खाली बैठेंगे तो मानसिक रोग बढ़ेंगे और महामारियां भी , गृहयुद्ध भी और विश्व युद्ध भी । टेक्नोलॉजी हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बन चुकी है लेकिन एक डरावना साया तेज़ी से फैल रहा है "न्यू वर्ल्ड ऑर्डर" का,जिसमें एआई (AI) सबसे बड़ी भूमिका अदा करेगा। जो 10 % लोग बच जाएँगे उनके लिए भी यह कोई राजनीतिक बदलाव नहीं माना जा रहा बल्कि बची खुची मानवता को एक ऐसी डिजिटल ज़ंजीर में बाँधने की योजना बताया जाता है, जहाँ आज़ादी का अर्थ समाप्त हो जाएगा और हर इंसान एक केंद्रीय सर्वर से जुड़ा हुआ सिर्फ एक "कोड" बनकर रह जाएगा। कल्पना कीजिए एक ऐसी दुनिया की, जहाँ आपको जेब में बटुआ या हाथ में मोबाइल रखने की ज़रूरत नहीं होगी।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

सरकार विरोध से देश विरोध तक पहुंच गयी कांग्रेस

कहा जाता है कि संकट के समय मन को शांत रखना चाहिए और संकट के गुजरने का इंतजार करना चाहिए। जल्दबाजी और घबराहट में गलत फैसले हो जाते हैं। कांग्रेस का संकटकाल चल रहा है। कांग्रेस को केंद्र की सत्ता से बाहर हुए 12 साल बीत चुके हैं और अभी न जाने कितने साल उसे और इंतजार करना होगा। कांग्रेस इतने समय तक कभी भी सत्ता से बाहर नहीं रही है, इसलिए उसे पता नहीं है कि विपक्ष में कैसे रहा जाता है। कांग्रेस मुख्य रूप से सत्ताधारी पार्टी रही है, विपक्ष की भूमिका में उसे दिक्कत हो रही है। वो सत्ता के इंतजार में अधीर होती जा रही है, क्योंकि उससे सत्ता आती दिखाई नहीं दे रही है। इस इंतज़ार को खत्म करने के दो तरीके हैं, एक है कि चुपचाप अपने समय का इंतजार किया जाये और दूसरा है कि इसके लिए प्रयास किए जाएं। कांग्रेस दोनों ही काम नहीं कर पा रही है, वो सत्ता पाने की छटपटाहट में गलत रास्ते पर चल पड़ी है। कांग्रेस विपक्ष में है और विपक्ष का काम होता है कि वो सरकार की गलत नीतियों और फैसलों का विरोध करे। देखा जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में ये विपक्ष का न केवल अधिकार है, बल्कि उसका दायित्व भी है। विपक्ष का काम सरकार की गलतियों पर उसे रोकना और टोकना होता है, लेकिन कई बार विपक्ष सरकार का विरोध करना ही अपना काम समझ लेता है। आज कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर नेता सरकार के हर फैसले और नीति का विरोध करते हैं, वो सही है या गलत, इससे उन्हें

कोई फर्क नहीं पड़ता। देखा जाए तो विपक्ष की ये रणनीति भी सही नहीं है क्योंकि सरकार का विरोध उसके फैसले और नीतियों के गुण-दोष के आधार पर होना चाहिए। पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा है कि कांग्रेस मोदी सरकार के विरोध में देश विरोध की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस के लिए सरकार और देश में अंतर करना मुश्किल हो रहा है। सरकार के अलावा कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं पर भी हमले शुरू कर दिए हैं जबकि इन संस्थाओं को उसने ही खड़ा किया है। संविधान की रक्षा का दावा करने वाली कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ ऐसे बयान देती है, जैसे ये सरकार द्वारा नियंत्रित हों। कांग्रेस ये भूल गयी है कि सरकार आती-जाती रहती है,लेकिन देश और देश की व्यवस्था ऐसे ही रहती है। दिल्ली में एआई सम्मेलन चल रहा है और इसमें दुनिया के 100 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। 20 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस कार्यक्रम के लिए आये हुए हैं और इसके अलावा दर्जनों विदेशी नेता भी शामिल हुए हैं। बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के 40 से ज्यादा सीईओ इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। लगभग 3 लाख लोगों ने इस कार्यक्रम को देखने के लिए पंजीकरण करवाया है। पूरी दुनिया की नजर इस कार्यक्रम पर लगी हुई है। फ्रांस में आयोजित पिछले एआई सम्मेलन में सिर्फ 1500 लोगों ने हिस्सा लिया था, जबकि भारत के इस कार्यक्रम में 3 लाख लोग शामिल हो रहे हैं, इससे पूरी दुनिया हतप्रभ है कि भारत ने ये कैसे कर लिया । भारतीय युवाओं की प्रतिभा का लोहा दुनिया मान रही है । भारत के आर्थिक विकास में ये सम्मेलन बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। जो सम्मेलन पूरी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बड़ा रहा था, कांग्रेस ने उस सम्मेलन को बदनाम करने का घिनौना काम किया है। इस सम्मेलन के आयोजन स्थल पर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न होकर ऐसी फूहड़ता का प्रदर्शन किया है कि पूरा देश शर्मिंदा हो गया है। यूथ कांग्रेस ने प्रदर्शन के तुरंत बाद पोस्ट करके इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं के काम की तारीफ की है । अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने गए यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को आम जनता ने पीट-पीट कर कार्यक्रम से बाहर निकाल दिया। इससे जनता के गुस्से का अंदाजा लगाया जा सकता है। यूथ कांग्रेस की ये हरकत सोच समझ कर की गई लगती है, क्योंकि इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। ये न तो आंदोलन है और न ही विरोध प्रदर्शन है, ये देश को बदनाम करने की साजिश है। जनता की प्रतिक्रिया को देखने के बाद कांग्रेस पीछे हट गई, लेकिन उसने माफी नहीं मांगी है। इसके विपरीत कांग्रेस के नेताओं और प्रवक्ताओं ने इस घटना का बचाव किया है। कहा जा रहा है कि सरकार का विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, इसमें गलत क्या है। कांग्रेस को अच्छी तरह पता है कि उसने बहुत बड़ी गलती कर दी है, इसलिए उसके बड़े नेताओं ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। कोरोना के बाद मोदी बड़े विरोध का सामना कर रहे हैं और ये विरोध भी उनके बड़े समर्थक वर्ग द्वारा किया जा रहा है। यूजीसी के दिशानिर्देशों के विरोध में मोदी का कट्टर समर्थक सवर्ण वर्ग बेहद नाराज है। देखा जाए तो इस समय भाजपा बैकफुट पर नजर आ रही है। मोदी सरकार को पता चल गया है कि उससे बड़ी गलती हो गई है, इसलिए वो इस मामले पर चुप है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नंगे होकर जो प्रदर्शन किया है, उससे पूरा देश कांग्रेस के प्रति नफरत से भर गया है। राजनीतिक रूप से निष्पक्ष व्यक्ति भी समझ नहीं पा रहे हैं कि ये कांग्रेस ने किया क्या है। यूजीसी के मामले को लेकर बैकफुट पर चली गई भाजपा को खड़े होने का मौका मिल गया है। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे की किताब को लेकर कांग्रेस ने पूरा संसद सत्र बर्बाद कर दिया है जबकि उस मुद्दे में कोई जान नहीं थी। उस मुद्दे को उठाना भी एक तरह से देशविरोधी काम था। जिस किताब को देश की सेना ने प्रकाशित करने की अनुमति न दी हो, उसके कुछ अंशों लेकर आंदोलन करना देशविरोधी माना जाएगा। पूरी निर्लज्जता के साथ भारत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसियों का प्रदर्शन बता रहा है कि कांग्रेस वैचारिक दिवालियेपन का शिकार हो गई है। इससे पता चलता है कि क्यों कांग्रेस लगातार चुनाव हारती जा रही है।

10 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीता भारत

तीसरे मुकाबले में 17 रन से हराया, स्मृति-जेमिमा के अर्धशतक

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इतिहास रचते हुए भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 सीरीज अपने नाम कर ली। निर्णायक तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। खास बात यह रही कि साल 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की यह पहली टी-20 सीरीज जीत है, जिसने महिला क्रिकेट में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। निर्णायक मुकाबले में भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम इंडिया ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारतीय पारी की नींव सलामी बल्लेबाज Smriti Mandhana और Jemimah Rodrigues ने रखी। मंधाना ने एक बार फिर अपने अनुभव और क्लास का प्रदर्शन करते हुए आक्रामक अंदाज में रन बनाए, जबकि जेमिमा ने मध्यक्रम में संयमित

और तेजतर्रार पारी खेलकर स्कोर को मजबूती दी। दोनों के बीच अहम साझेदारी ने टीम को बड़े लक्ष्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतिम ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने तेजी से रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा कर दिया। गेंदबाजी में भारत की ओर से युवा ऑलराउंडर Shreyanka Patil और Sree Charani ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके। दोनों ने मध्य ओवरों में मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया।

स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मैच बनी

इस मैच में स्मृति मंधाना ने 55 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्कों से साथ 82 रनों की शानदार पारी खेली। इसी प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारतीय विमेंस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराकर पहली बार टी–20 सीरीज का खिताब अपने नाम किया है।

ऑस्ट्रेलिया की लड़खड़ाई शुरुआत

176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। टीम ने मात्र 19 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। Georgia Voll सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हो गईं, जबकि अनुभवी बल्लेबाज Beth Mooney भी महज 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। शुरुआती झटकों के बाद कंगारू टीम दबाव में आ गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। भारतीय गेंदबाजों ने सधी हुई लाइन और लेंथ के साथ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

गार्डनर की अर्धशतकीय पारी बेकार

ऑस्ट्रेलिया की ओर से Ashleigh Gardner ने अकेले संघर्ष करते हुए 57 रन की अहम पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और आखिरी ओवरों में रन गति पर पूरी तरह नियंत्रण रखा।

इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में 2016 के बाद पहली बार टी-20 सीरीज जीतने का कारनामा किया है। यह जीत टीम के आत्मविश्वास और भविष्य की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। भारतीय महिला क्रिकेट के लिए यह उपलब्धि सिर्फ एक सीरीज जीत नहीं, बल्कि विदेशी सरजमीं पर बढ़ते दबदबे का संकेत है। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि अब वह विश्व क्रिकेट में किसी भी टीम को चुनौती देने में सक्षम है।

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की

क्रिकेटर ने 2023 में पहली पत्नी से तलाक लिया था

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं। 40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है। धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए

मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले IPL में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं। सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब UAE में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं।

फास्ट न्यूज

ब्रेन हेमरेज के बाद सलीम खान वेंटिलेटर पर

मुंबई। सलमान खान के पिता और दिग्गज स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान को ब्रेन हेमरेज के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। शनिवार देर शाम शाहरुख खान सलीम खान का हालचाल जानने लीलावती अस्पताल पहुंचे। हालांकि, उसके बाद कथित तौर पर परिवार की ओर से कोई मेडिकल अपडेट पब्लिक न करने की बात कही गई, जिसके बाद उनकी हेल्थ को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया।

एक्ट्रेस लाना क्लार्कसन का मर्डर अब भी मिस्ट्री

नई दिल्ली। 3 फरवरी 2003 की बात है। फिल्मी करियर खत्म होने के बाद एक्ट्रेस और मॉडल लाना क्लार्कसन अपने घर चलाने के लिए वेस्ट हॉलीवुड के एक क्लब हाउस ऑफ ब्लूज में पार्ट-टाइम काम करने लगी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात मशहूर म्यूजिक प्रोड्यूसर फिल स्पेक्टर से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों एक साथ फिल के घर चले गए। फिल स्पेक्टर का घर बहुत बड़ा और सुंदर था। वह म्यूजिक इंडस्ट्री में एक जाना माना नाम था। शायद लाना को उम्मीद थी कि यह मुलाकात उसके करियर को फिर से शुरू करने में मदद कर सकती है। लेकिन तभी, करीब सुबह 5:30 बजे फिल का ड्राइवर कार में बैठा रेडियो सुन रहा था कि अचानक उसे गोली चलने जैसी आवाज सुनाई दी। हैरान होकर जब वह देखने गया तो उसने देखा कि लाना क्लार्कसन की लाश फर्श पर पड़ी थी।

मलाइका अरोड़ा ने रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग मनाया वैलेंटाइन्स डे!

मलाइका अरोड़ा का नाम इन दिनों डायमंड मर्चेंट बिजनेसमैन हर्ष मेहता के साथ जुड़ रहा है। दोनों को कॉन्सर्ट में साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद से ही दोनों के लिंक-अप की खबरें सुर्खियों में हैं। इसी बीच अप रूमर्ड कपल की इटली से एक तस्वीर वायरल हुई है, जिसके साथ दावा किया जा रहा है कि दोनों ने साथ वैलेंटाइन्सडे सेलिब्रेट किया है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर दिखे विजय-रश्मिका

एक्ट्रेस ने कन्फर्म की शादी, दिल्ली का बैंड हायर किया

मुंबई, एजेंसी

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी की खबरों से सुर्खियों में हैं। दावा किया जा रहा है कि कपल 26 फरवरी को उदयपुर में शादी करने वाले हैं। इसी बीच कपल को हैदराबाद एयरपोर्ट से रवाना होते हुए स्पॉट किया गया है। इससे पहले दोनों की शादी का एक कार्ड भी वायरल हो चुका है। हैदराबाद एयरपोर्ट में रश्मिका मंदाना टीका लगाई दिखीं। हालांकि इस दौरान उन्होंने मास्क से चेहरा कवर किया हुआ था। उन्होंने कूल हाफ स्लीव्स टी-शर्ट के साथ ब्लैक लोवर और ब्लैक शूज पहने हुए थे। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने डार्क ग्लासेस भी पहने थे। विजय देवरकोंडा को ठीक उसी समय हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट पर विजय ने भी डार्क ग्लासेस और मास्क से चेहरा छिपाया हुआ था। इंडियन एक्सप्रेस ने जर्नलिस्ट सुभाष के.झा के हवाले से

रश्मिका-विजय की शादी की कन्फर्मेशन दी है। रिपोर्ट के अनुसार, जर्नलिस्ट सुभाष के.झा ने रश्मिका मंदाना को ऑनलाइन मैसेज के जरिए मुबारकबाद दी थी। इस पर एक्ट्रेस ने इनकार करने की बजाए शुक्रिया कहा, जिससे कन्फर्म है कि एक्ट्रेस शादी करने वाली हैं। नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि रश्मिका-विजय ने शादी के लिए दिल्ली का एक पॉपुलर बैंड हायर किया है।

तापसी पन्नू ने खत्म किया कंगना से झगड़ा

बी-ग्रेड और सस्ती कॉपी कहा गया, अब बोलीं- मेरी तरफ से कोई लड़ाई नहीं, वो मेरी सीनियर

मुंबई, एजेंसी

तापसी पन्नू ने हाल ही में कंगना रनोट से हुए झगड़े पर बात की है। एक समय में कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने तापसी पन्नू को कंगना की सस्ती कॉपी कहा था। जिसके जवाब में तापसी ने कहा था कि कंगना एक अच्छी एक्ट्रेस हैं और उनकी कॉपी होना भी अच्छी बात है। दोनों का झगड़ा तब काफी सुर्खियों में रहा था, हालांकि अब तापसी का कहना है कि उन्हें कंगना से दोस्ती करने में ऐतराज नहीं है, ये झगड़ा कभी उनकी तरफ से नहीं था। एक्ट्रेस ने ये भी कहा है कि उनके झगड़े से कुछ लोगों को फायदा पहुंचा है। तापसी पन्नू से हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या उनके और झगड़े से नेपोकिड्स को फायदा पहुंचा। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को कुछ न कुछ फायदा तो हुआ होगा। मेरी तरफ से कोई लड़ाई है नहीं। पर मुझे ये जरूर लगता है कि किसी ने कुछ जरूर जाकर वहां कुछ बोल दिया है, जो नहीं चाहता कि हम

फिल्म मनमर्जियां के प्रमोशन के दौरान तापसी पन्नू से एक इंटरव्यू में पूछा गया था कि कंगना रनोट को किस प्रोडक्ट की जरूरत है। जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'डबल फिल्टर'। तापसी के बयान से कंगना और उनकी बहन काफी नाराज हुईं। कंगना की बहन रंगोली ने तब इसका जवाब देते हुए लिखा था, 'कुछ लोग कंगना को कॉपी करके ही अपनी दुकान चलाते हैं। पिछली बार मैंने तापसी जी को ये कहते हुए सुना कि कंगना को डबल फिल्टर की जरूरत है और तापसी जी आपको सस्ती कॉपी बनने से रुकने की जरूरत है।'

साथ आएं। क्योंकि अगर हम साथ आए तो उन्हें पता है कि बहुत जबरदस्त कुछ हो।' पॉडकास्ट में जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या अगर उनकी कंगना से दोस्ती करवाई जाए तो वो करेंगे। जवाब में तापसी ने कहा- 'मैंने तो हमेशा कहा है कि अगर वो आसपास मिलेंगी तो मैं जरूर जाकर बात करूंगी। टेक्निकली वो मेरी सीनियर हैं।

कंगना के आरोपों पर चुप नहीं रहीं तापसी

इसके बाद हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में तापसी ने कहा था- यह देखकर दुख होता है कि कोई उस इंडस्ट्री में बाहरी लोगों का मजाक उड़ा रहा है, जिसने हमें बहुत कुछ दिया है। हां मुझे भी फिल्मों से निकाला गया और स्टार किड्स से रिप्लेस किया गया। लेकिन कंगना और उनकी बहन का मेरी कड़ी मेहनत को क्रेडिट न देना और मेरा नाम घसीटना भी उसी लेवल का हैरेसमेंट है। यह सब इसलिए, क्योंकि मैंने उनके सुर में सुर मिलाने से इनकार कर दिया।'

कंगना ने तापसी को बताया बी-ग्रेड एक्ट्रेस

इसके बाद कंगना ने रिपब्लिक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में तापसी और स्वरा को बी-ग्रेड एक्टर बताया। साथ ही कहा था कि उन्हें (मूवी माफिया) कल तापसी पन्नू और स्वरा जैसी 20 और जरूरतमंद आउटसाइडर्स मिल जाएंगी, जो कहेंगी सिर्फ कंगना को नेपोटिज्म से दिक्कत है। लेकिन हम करण जौहर से प्यार करते हैं।

रिव्यू के बाद नई तारीख तय होगी, समझौते पर कानूनी मुहर लगनी थी, अब देरी की संभावना

टैरिफ में बदलाव से भारत-अमेरिका ट्रेड डील बैठक टली

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) को लेकर वॉशिंगटन में होने वाली बैठक स्थगित कर दी है। यह बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होने वाली थी। इस बैठक का मकसद 7 फरवरी को जारी 'जॉइंट स्टेटमेंट' के आधार पर कानूनी ड्राफ्ट तैयार करना था। सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों पक्षों ने तय किया है कि हालिया टैरिफ बदलावों के कारण भारतीय टीम की यह यात्रा टाल दी गई है। इन बदलावों की समीक्षा के बाद बैठक की नई तारीख तय की जाएगी। अब इस बैठक के टलने से ट्रेड डील में देरी हो सकती है। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के दुनियाभर के देशों

पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया था। जिसके बाद ट्रम्प ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10% टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15% कर दिया। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स 50% घटाकर 18% कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25% अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया था।

भारत और अमेरिका के बीच कृषि और डेयरी सेक्टर के कारण ट्रेड डील रुका हुआ था। हालांकि, फरवरी में जारी फ्रेमवर्क में भारत ने अपने कृषि और डेयरी सेक्टर को पूरी तरह सुरक्षित रखा। पीयूष गोयल ने बताया था कि भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित रखा है।

टैरिफ बदलाव से भारत-अमेरिकी ट्रेड डील संकट में

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर सहमति बन गई थी और इसे लेकर फ्रेमवर्क भी जारी की जा चुकी है। दोनों देशों ने कहा था कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका BTA वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया था कि समझौता फरवरी के अंत तक फाइनल होना था। मार्च में इस पर हस्ताक्षर होने थे।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते (ITA) का फ्रेमवर्क जारी किया गया था।

ट्रम्प ने 24 घंटे में ग्लोबल टैरिफ 5% बढ़ाया

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पुराने टैरिफ रद्द किए थे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ 10% से बढ़ाकर 15% करने का ऐलान किया है। उन्होंने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले ट्रम्प ने शुक्रवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी देशों पर 10% टैरिफ लगाने की बात कही थी। दरअसल अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रम्प को IEEPA कानून का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है। इससे नाराज होकर ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों पर नए कानून (सेक्शन-122) का इस्तेमाल कर 10% टैरिफ लगा दिया था। इस कानून के तहत अधिकतम 15% टैरिफ ही लगाया जा सकता है।हालांकि यह टैरिफ सिर्फ 150 दिन के लिए ही लागू रहेगा। अगर इन्हें आगे

बढ़ाना है तो कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। ट्रम्प ने एक आदेश पर हस्ताक्षर कर दुनियाभर के देशों पर नया टैरिफ लगाया है। यह 15% टैरिफ 24 फरवरी से लागू हो जाएगा। इससे पहले उन्होंने कल टैरिफ को अवैध बताने वाले जजों की भी आलोचना की। ट्रम्प ने कहा- मुझे कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आ रही है। वे देश के लिए कलंक हैं, उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है। भारत के साथ ट्रेड डील पर ट्रम्प ने कहा कि, इस डील में कोई बदलाव नहीं होगा।

ट्रम्प के रिसॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी

गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार को घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि एक शख्स गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश की, तो सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने उसे गोली मार दी। सीक्रेट सर्विस के मुताबिक, युवक शॉटगन जैसी बंदूक और फ्यूल कैन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, हालांकि उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की

दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था। ट्रम्प के रिसॉर्ट में बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। इसकी लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपए है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के अमीर लोग इसके लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन कुछ को ही मेंबरशिप मिलती है।

ट्रम्प के रिसॉर्ट में एंट्री के लिए मेंबरशिप जरूरी

ट्रम्प के रिसॉर्ट में बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती है। इसकी लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपए है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक हर साल बड़ी संख्या में दुनिया भर के अमीर लोग इसके लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन कुछ को ही मेंबरशिप मिलती है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे।

ट्रम्प को चुनावी रैली में गोली मारी थी

ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

पीएम किसान की 22वीं किस्त मार्च में आ सकती है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के लिए अगली किस्त फरवरी के आखिरी हफ्ते से लेकर मार्च 2026 के बीच खाते में ट्रांसफर की जा सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इसकी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है। इस योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें साल में (कुल 6000 रुपए) दी जाती हैं। यह राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। पोर्टल के मुताबिक, सभी पंजीकृत किसानों के लिए eKYC कराना अनिवार्य है। अगर आपकी eKYC पेंडिंग है, तो किस्त रुक सकती है। किसान खुद PM किसान पोर्टल पर जाकर OTP के जरिए eKYC कर सकते हैं या पास के कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) पर जाकर बायोमेट्रिक तरीके से इसे पूरा करवा सकते हैं। PM-Kisan योजना फरवरी 2019 में शुरू हुई थी। इसके तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है, जो तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए भेजी जाती है। अभी देशभर में 9 करोड़ से ज्यादा किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में ₹590 करोड़ का फ्रॉड

कुछ कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार के खातों में गड़बड़ी की, 4 लोग सस्पेंड

चंडीगढ़, एजेंसी

IDFC फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ स्थित एक ब्रांच में करीब 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बैंक ने खुद शेयर बाजार (BSE) को दी जानकारी में बताया कि इस फ्रॉड में बैंक के ही कुछ कर्मचारी शामिल हैं। मामला तब खुला जब हरियाणा सरकार के एक विभाग ने बैंक को कुछ संदिग्ध ट्रांजेक्शन को लेकर जानकारी दी। बैंक ने फिलहाल इस मामले में शामिल 4 संदिग्ध कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है। बैंक ने बताया कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह धोखाधड़ी चंडीगढ़ की एक विशेष शाखा में हरियाणा सरकार के कुछ खातों के साथ हुई है। बैंक के मुताबिक, अभी उन खातों के मिलान की

प्रक्रिया चल रही है, जिनमें करीब 590 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। बैंक अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यह गड़बड़ी कब से चल रही थी। गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक ने तुरंत एक्शन लेते हुए 4 संदिग्ध अधिकारियों को जांच पूरी होने तक सस्पेंड कर दिया है। बैंक ने कहा है कि वह दोषी कर्मचारियों और बाहरी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से 'फॉरेंसिक ऑडिट' कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इस गंभीर मामले को देखते हुए बैंक की 'स्पेशल कमेटी फॉर मॉनिटरिंग फ्रॉड्स' की बैठक 20 फरवरी को बुलाई गई थी। इसके बाद 21 फरवरी को बैंक के ऑडिट कमेटी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई, जिसमें इस धोखाधड़ी की जानकारी साझा की गई। IDFC फर्स्ट बैंक ने उन बैंकों को भी 'रिकॉल रिक्वेस्ट' भेजी है, जिनके खातों में संदिग्ध पैसा ट्रांसफर किया गया है। बैंक ने दूसरे बैंकों से उन 'संदिग्ध खातों' में मौजूद बैलेंस को होल्ड करने की रिक्वेस्ट की है, ताकि पैसे की रिकवरी की जा सके। बैंक का कहना है।

बच्चों को जहर देकर पत्नी का गला काटा, 3 दिन घर में पड़ी रहीं लाशें

पत्नी, 3 बच्चों की हत्या कर जान दी

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। कासगंज में पत्नी और बच्चों की हत्या के बाद पति फंदे से झूल गया। उसने पहले बच्चों को जहर दिया और फिर पत्नी का गला काट दिया। तीन दिन तक शव घर में पड़े रहे और किसी को इसकी जानकारी नहीं हुई। पड़ोसियों के मुताबिक, घटना का पता उस वक्त चला, जब शनिवार शाम एक युवक शादी का कार्ड देने घर गया। उसने दरवाजा खटखटाया और नाम लेकर काफी देर तक बुलाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने आसपास के लोगों से पूछा। तब पता चला कि घर में पिछले तीन दिनों से कोई हलचल नहीं थी। शक के आधार पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छैनी-हथौड़े से लोहे का दरवाजा काटकर घर के अंदर प्रवेश किया। अंदर पति का शव फंदे से लटका हुआ मिला। बगल में तीनों बच्चों के शव बेड पर थे। उसके नीचे फर्श पर पत्नी का शव पड़ा

आकांक्षा

हुआ था। बच्चों के मुंह से झाग निकल रहा था। मृतकों की पहचान श्यामवीर (50), उसकी पत्नी रामश्री (48), दोनों बेटियां प्राची (12), आकांक्षा (10) और बेटे गिरीश के रूप में हुई है। पूरा मामला कासगंज कोतवाली क्षेत्र का है। रविवार सुबह परिवार का अंतिम संस्कार हुआ। पति-पत्नी को एक ही चिता पर जलाया गया। जबकि तीनों बच्चों को दफनाया गया। श्यावीर के भाई देशराज ने सभी का क्रियाकर्म किए। DIG प्रभाकर चौधरी ने बताया कि स्थानीय लोग घटना के पीछे आर्थिक तंगी को वजह बता रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

13 साल पहले शादी, 10×10 के कमरे में रहता था परिवार

श्यामवीर की शादी 13 साल पहले नगला वादिक निवासी रामश्री से हुई थी। बेटी प्राची सातवीं, छोटी बेटी आकांक्षा पांचवीं और बेटा गिरीश चौथी कक्षा में पढ़ता था। श्यामवीर की दो बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। वह मूल रूप से नगला भोजराज गांव का रहने वाला था। चाचा गया प्रसाद ने बताया कि श्यामवीर अपने भाइयों के साथ वेल्डिंग की दुकान चलाता था, लेकिन बाद में अलग हो गया था। आठ साल पहले वह अमांपुर आकर रहने लगा था। यहां पेट्रोल पंप के पीछे किराये पर एक कमरा लेकर परिवार के साथ रहता था। वह वेल्डिंग का काम करता था। उसके घर में दो रूम थे। आगे वाले में दुकान थी, जबकि पीछे 10×10 के एक छोटे से कमरे में परिवार रहता था।

पड़ोसियों के अनुसार, परिवार बेटे की न्यूरो समस्या से परेशान था। घर के अंदर का दृश्य देखकर लग रहा था कि कई दिनों से चूल्हा नहीं जला था। वहां कोई बर्तन भी नहीं थे।

शादी का कार्ड देने युवक पहुंचा, तब जाकर घटना पता चली

पड़ोसियों ने बताया कि मकान तीन दिन से बंद था। शनिवार को शादी का कार्ड देने एक युवक आया। दरवाजा नहीं खुलने पर उसने लोगों को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही DIG प्रभाकर चौधरी, DM प्रणय सिंह और SP अंकिता शर्मा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चाचा ने बताया कि श्यामवीर के बेटे गिरीश को न्यूरो की समस्या थी। सिर की नस से जुड़ी बीमारी के कारण उसके इलाज में काफी खर्च हो रहा था। कुछ दिन पहले ही उसने पड़ोसी से एक हजार रुपए उधार लिए थे। उसने लोगों से आर्थिक मदद भी मांगी थी, लेकिन परिवार की ओर से सहयोग नहीं मिल रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान था।

सफाई व्यवस्था का मंत्री ए के शर्मा ने किया औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने प्रातः काल काशी के शिवपुर, सुषमा नगर कॉलोनी, गिलट बाजार, लक्ष्मणपुर एवं रघुवंशी नगर में कई किलोमीटर तक पैदल चलकर प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। मंत्री श्री शर्मा ने विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों का जायजा लिया, जिससे व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।निरी-क्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में निर्धारित समय पर कचरा उठान सुनिश्चित किया जाए तथा कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई न दे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। मंत्री श्री शर्मा ने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक

प्राप्त किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का पूर्ण सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है।इस अवसर पर मंत्री श्री शर्मा ने सफाई मित्रों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सफाई कर्मियों को आवश्यक उपकरण, सुरक्षा सामग्री और सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। इसके पश्चात मंत्री श्री शर्मा ने सिगरा क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा की समीक्षा करते हुए कुछ स्थानों पर शेष रह गए इंटरलॉकिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूरे किए जाएं। मंत्री श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

फास्ट न्यूज़

त्रिशूल से हमला कर शिवलिंग तोड़ा

रायबरेली। रायबरेली में एक युवक ने शिवलिंग तोड़ डाला। युवक आधी रात मंदिर में घुसा। उसने पहले त्रिशूल उखाड़ा। फिर पटक-पटककर त्रिशूल में लगे डमरू को तोड़ दिया। इसके बाद टूटे त्रिशूल से शिवलिंग पर ताबड़तोड़ वार करने लगा। युवक ने शिवलिंग पर 15 वार किए। इससे शिवलिंग खंडित हो गया और उसमें दरारें आ गईं।

यूपी बोर्ड परीक्षा-ड्यूटी से गायब 19 अधिकारियों की सैलरी रोकी

लखनऊ। लखनऊ में यूपी बोर्ड की हाईस्कूल-इंटरमीडिएट परीक्षा से गायब मिले 19 अधिकारियों की सैलरी रोक ली गई है। हाल में निरीक्षण में 19 स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्रों से अनुपस्थित पाए गए थे। DM विशाख जी ने तत्काल प्रभाव से सभी संबंधित अधिकारियों की सैलरी अगले आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शो कॉज नोटिस जारी किया है। डीएम बोले- परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बोर्ड परीक्षा-2026 को सकुशल, निर्विघ्न और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के 121 परीक्षा केंद्रों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया था।

सरकारी अफसर की अंडरवियर लाने की ड्यूटी लगाई

प्रयागराज। प्रयागराज में बीएसएनएल के एक 'साहब' का शाही प्रोटोकॉल चर्चा का विषय बन गया। उनके प्रस्तावित दौरे के लिए 50 अफसरों की ड्यूटी लगाई गई। बाकायदा चार्ट बनाकर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। अफसर के ब्रेकफास्ट, लंच से लेकर अंडर-वियर तक अरेंज करने की जिम्मेदारी तय कर दी गई।

लखनऊ पुलिस ने लुटेरे को दौड़ाकर मारी गोली

साथी समेत दबोचा गया, 2 दिन पहले महिला से लूटी थी चेन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर इलाके में पुलिस और 2 लुटेरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें गोली मारी। 1 लुटेरे के पैर में गोली लगी। उसे साथी समेत दबोच लिया। उनके पास से लूटी हुई चेन के 2 टुकड़े, चोरी की स्कूटी, 2 तमंचा, 1 खोखा और 3 कारतूस बरामद हुए। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया- गोली लगने से घायल लुटेरे की पहचान मोहम्मद रानू ऊर्फ फराज और मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई। शशांक सिंह ने बताया- 21 फरवरी, शनिवार देर रात बंधा रोड मजार के पास गाजीपुर थाना पुलिस और लखनऊ पूर्वी जोन की क्राइम ब्रांच की टीम संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कल्याण अपार्टमेंट की तरफ से शक्ति न गर ढाल की ओर स्कूटी सवार 2 लुटेरे जा रहे थे। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। दोनों भागने

लगे। इस दौरान बैलेंस बिगड़ने से गिर गए। पीछे बैठे लुटेरे ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें 1 लुटेरे के पैर में गोली लगी। वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे साथी समेत दबोच लिया। घायल लुटेरों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। शशांक सिंह ने बताया- दोनों लुटेरों से पूछताछ की गई। दोनों ने बताया कि इंदिरा नगर की बुजुर्ग महिला विमला से 21 फरवरी को शालीमार गोल चौराहा के पास सोने की चेन लूटी थी।

35 साल की महिला की केजीएमयू गेट पर तड़प-तड़पकर मौत

12 घंटे इंतजार किया, डॉक्टरों ने दवा देकर सप्ताहभर बाद आने को कहा था

- केजीएमयू के हर विभाग की तरह लारी में भी मरीजों और तीमारदारों की जबरदस्त भीड़ रहती है।
- मृतका के परिजन ने डॉ. ऋषि सेठी की ओपीडी का पर्चा दिखाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (KGMU) में डॉक्टरों की लापरवाही से 35 साल की महिला की मौत हो गई। मरीज को KGMU के लारी में डॉक्टरों ने भर्ती नहीं किया। मरीज 12 घंटे तक तड़पती रही। उसके बाद दम तोड़ दिया। यह मामला 19 फरवरी का है। इससे पहले 5 महीने के अंदर इसी तरह की लापरवाही के चलते 2 और मरीजों की मौत हो चुकी है। गोंडा जिले

अविदा खातून
मृतका

की अविदा खातून को दिल की गंभीर बीमारी थी। अविदा के पिता नवाब अली के मुताबिक, 5 दिन में 2 बार गंभीर हालत में अविदा को लारी कार्डियोलॉजी लेकर पहुंचे। पहली बार डॉ. ऋषि सेठी की टीम को OPD में दिखाया। दूसरी बार जब 18 फरवरी को आविद को लेकर पहुंचे तो OPD में डॉ. अक्षय प्रधान की टीम को दिखाया। इसके बावजूद सही तरीके से इलाज नहीं मिल सका। परिजन का आरोप है कि मरीज बेहद गंभीर कंडीशन में थी। बुधवार को जब OPD में उसे दिखाने पहुंचे तो गंभीर कंडीशन का हवाला देकर भर्ती करने की गुहार लगाई पर डॉक्टरों ने उनकी एक न सुनी। जूनियर डॉक्टर ने पहले मरीज को देखा और फिर रिपोर्ट देखकर दवा देकर 7 दिन बाद OPD में दिखाने को कहा लेकिन एडमिट करने को राजी नहीं हुए। इस दौरान मौके पर मौजूद एक परिचित स्टाफ ने भी भर्ती करने की सिफारिश की। उसे रेजिडेंट डॉक्टर ने यह कहकर उसे चुप करा दिया कि आखिर डॉक्टर वो हैं या कोई और? इलाज तो डॉक्टर के अनुसार ही होगा। कौन होते हैं आप? परिजनों के मुताबिक, समय बीतने के साथ मरीज की कंडीशन लगातार बिगड़ रही थी। ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि बिगड़ती कंडीशन देख डॉक्टर उसे भर्ती कर लेंगे। इसी आस में उसे लेकर लारी कार्डियोलॉजी के वेटिंग एरिया में करीब 12 घंटे तक बैठे रहे। इस दौरान लगातार भर्ती करने के लिए थोड़ी-थोड़ी में जाकर इमरजेंसी में भी गुहार लगाते रहे।

पुलिस की पिटाई से छात्र का हाथ टूटा

चौकी में बुलाकर पीटा, हाईस्कूल की परीक्षा देना मुश्किल हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में दो लड़कों के बीच हुए कहासुनी के बाद पुलिस ने एक नाबालिग छात्र को पीट दिया। नाबालिग को पूछताछ के लिए चौकी बुलाया। एक छात्र को रोक लिया। पहले उसे बांधा और उसके बाद पट्टे और डंडे से उसकी पिटाई की। छात्र के हाथ में गंभीर चोट आई है। वह अपने हाथ से कुछ नहीं कर पा रहा है। शिकायत के बाद दो दरोगा को सस्पेंड किया गया है। पुलिस ने पीड़ित छात्र का मेडिकल टेस्ट करवाने की बात कही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दोनों दरोगा पर एफआईआर करने का भरोसा दिया गया है। यह मामला किरावली थाना के मिढ़ाकुर पुलिस चौका का है। किरावली क्षेत्र के नानपुर गांव में 18 फरवरी की शाम दो लड़कों के बीच कहासुनी हो गई थी। पीड़ित छात्र के ताऊ बबलू ने बताया

कि उनके 15 वर्षीय भतीजा करन हाईस्कूल का छात्र है। उसकी परीक्षा चल रही है। करन का गांव के ही एक लड़के से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। दोनों पक्षों ने पुलिस से शिकायत की थी। उस समय चौकी पुलिस ने फोन पर समझा कर मामला शांत करा दिया था। शुक्रवार 20 फरवरी को करन परीक्षा देकर घर लौटा था। इसी बीच चौकी पर तैनात दरोगा अनुराग और इशांत घर पहुंचे।

सीआरपीएफ जवान ने सिपाही बहन के प्रेमी को काट डाला

इटावा में यूपीएससी छात्र को बहाने से कार में बिठाया, पीटा फिर गोली मारी

- मनीष का सिर-पैर कटा शव देखते ही बड़े भाई अवनीश बेहोश हो गए थे।
- बड़े भाई ने सीओ से पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया था।
- पिता राजवीर सिंह को सीओ सिटी ने गले लगाकर ढाढस बंधाया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में CRPF जवान ने सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र की CRPF जवान की सिपाही बहन के साथ अफेयर था। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इस हत्याकांड का शनिवार को

मनीष यादव, मृतक

खुलासा किया। पुलिस के अनुसार- आरोपी ने बहाने से छात्र को अपनी कार में बिठाया। चलती कार में उसकी बेरहमी से पिटाई की। फिर गोली मारकर हत्या कर दी। रात भर कार में ही शव को छिपाए रखा। अगले दिन गुरुवार की रात शव के कई टुकड़े किए और एक पॉलीथिन में लपेट कर रेलवे लाइन किनारे फेंककर फरार हो गए। पुलिस को रेलवे लाइन के पास लगे CCTV में कार का फुटेज मिला। कार मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या की पूरी कहानी बताई। पुलिस मुख्य आरोपी CRPF जवान और उसके एक अन्य दोस्त की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एसपी ने तीन टीमें लगाई हैं। थाना भरथना के बंधा निवासी मनीष 18 फरवरी की सुबह करीब 7 बजे कोचिंग के लिए घर से निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसी शाम भरथना थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। 19 फरवरी की रात करीब 10 बजे थाना इकदिल थाना क्षेत्र के चितभवन रेलवे ट्रैक के पास क्षत-विक्षत शव पॉलीथिन में लिपटा मिला। सिर धड़ से अलग था। एक पैर कटा हुआ था। जबड़ा टूटा था और शरीर पर चोट के दर्जनों निशान थे। पूरा शरीर लहूलुहान था। शव की शिनाख्त मनीष के रूप में हुई।

मारपीट : लाठी-डंडे चले, 4 राउंड फायरिंग, 7 घायल, विधायक बोलीं- सख्त कार्रवाई हो

दबंगों ने दलित का छप्पर फूंका

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में दबंगों ने दलित परिवार के घर के बाहर छप्पर में आग लगा दी। खौफ पैदा करने के लिए चार राउंड हवाई फायरिंग की। दरअसल, ट्रैक्टर निकालने के दौरान छप्पर टूट गया। इस पर दलित परिवार ने आपत्ति की। आरोप है कि कहासुनी के बाद दबंगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर छप्पर में आग लगा दी। घटना कानपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मढ़ापुर गांव की है। इस मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे दो पड़ोसी भी चोटिल हुए। जानकारी मिलने के बाद विधायक सरोज कुरील ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। मढ़ापुर गांव के महेश के अनुसार, वह अपनी पत्नी भाग्यवती और बेटों शिवम्, कुलदीप व संदीप के साथ घर पर खाना

दबंगो ने घर के बाहर बनी झोपड़ी में आग लगा दी।

खा रहे थे। इसी दौरान सरगांव ग्राम प्रधान का बेटा अभय ट्रैक्टर-ट्रॉली में भूसा लादकर वहां से गुजर रहा था। आरोप है कि ट्रॉली घर के बाहर छप्पर से टकरा गई, जिससे छप्पर क्षतिग्रस्त हो गया। भाग्यवती ने टोका तो प्रधान के बेटे अभय से कहासुनी शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख प्रधान के बेटे ने फोन कर कुछ साथियों को बुला लिया। बताया जा रहा कि इन लोगों ने मिलकर विरोध कर रहे दलित परिवार के लोगों को लाठी-डंडों से पिटाई की और छप्पर में आग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- आरोपियों ने फरसे से भी हमला किया। छप्पर फूंके जाने की सूचना के बाद कानपुर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। बताया- ट्रैक्टर निकालने को लेकर विवाद हुआ था। सूचना डायल 112 पर मिली थी।

विधायक सरोज कुरील अस्पताल पहुंचीं, पुलिस से की बात

जानकारी होने पर घाटमपुर विधायक सरोज कुरील सीएचसी पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात की। इसके बाद पुलिस अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। विधायक ने कहा कि उन्हें शादी समारोह के दौरान घटना की सूचना मिली, जिसके बाद वे तुरंत अस्पताल पहुंचीं। घायलों का आरोप है कि ग्राम प्रधान के बेटे ने साथियों के साथ मिलकर हमला किया।

> “हमले में महेश के परिवार के पांच लोग घायल हुए। बीच-बचाव करने पहुंचे पड़ोसी ज्ञानेंद्र और गोलू भी चोटिल हो गए। फायरिंग की आवाज से गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। घायलों को घाटमपुर सीएचसी भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद एक गंभीर घायल को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।”

पृष्ठ 01 का शेष...

देश जानता है ...

तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे। इससे पहले, मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी। 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पूरे सफर में दो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जबकि बाकी का सफर एलिवेटेड होगा। मेट्रो बेगमपुल से मेरठ साउथ तक जाएगी। इसमें 7 स्टेशन बनाए गए हैं। मेट्रो का किराया 20 से 60 रुपए, जबकि रैपिड रेल का 20 से 210 रुपए तक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ₹कांग्रेस, समाजवादी पार्टी की जब दिल्ली में सरकार थी तब यह सब संभव ही नहीं था क्योंकि तब इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाएं घोटालों में ही गुम हो जाती थी। मेट्रो जैसी और उससे जुड़ी अधिकतर तकनीक भी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले भी बंद किए और देश को आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भी आगे बढ़ाया... पीएम मोदी ने कहा- जो पढ़ाई, नौकरी या अन्य कामों के लिए रोजाना आते-जाते हैं, उनके लिए अब दिल्ली में किराए के घर में रहने की मजबूरी भी खत्म हुई है। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो इतना पैसा खर्च कर रही है, उससे आपका समय बचता, पैसा बचता है और युवाओं को रोजगार भी मिलता है। पश्चिम यूपी में देखिए, कैसे नए एक्सप्रेस वे बन रहे। जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा। ये जब बनते हैं तो रोजगार ही रोजगार पैदा होते हैं। ये उत्तर प्रदेश श्रम और सृजन की धरती है। पीएम मोदी ने कहा- साथियों, कांग्रेस की जब देश में सरकार थी तो ये सब संभव ही नहीं था। क्योंकि तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया।

जम्मू-कश्मीर के ...

मिशन के दौरान, वह सबसे पहले उस धोक तक पहुंचा जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। गोली लगने के बावजूद, टायसन ने ऑपरेशन जारी रखा। उसे बेहतर इलाज के लिए बेस हॉस्पिटल ले जाया गया है। व्हाइट नाइट कोर ने 4 फरवरी को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि CIF डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF का यह जॉइंट ऑपरेशन चलाया था था। इलाके की घेराबंदी की गई। इसे 'ऑपरेशन किया' नाम दिया गया। मुठभेड़ 3 फरवरी की शाम 4 बजे शुरू हुई थी। आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया। शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की। इस दौरान फिर से फायरिंग हुई और तेज धमाकों की आवाज सुनी गई। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया और घेराबंदी और कड़ी कर दी गई। सुरक्षा बलों ने 4 फरवरी को आतंकियों पर UBGLs (अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) का इस्तेमाल किया। जिससे एक हिस्से को विस्फोट के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। इस विस्फोट में दोनों आतंकी मारे गए।

अजित पवार प्लेन ...

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने बजट सत्र से पहले सीनियर नेताओं को पारंपरिक हाई-टी के लिए लेट लिखकर आमंत्रित किया था। जाधव ने कहा कि सत्ता पक्ष अहंकारी है और विपक्ष का सम्मान नहीं करता। संविधान के प्रति भी आदर नहीं है, इसलिए हमने निमंत्रण अस्वीकार किया।

'केशव-पाठक...

शनिवार को कोर्ट ने FIR दर्ज करने के आदेश दिए। इसके बाद देर रात मुकदमा दर्ज हो गया था। अखिलेश ने दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को ऑफर दिया। कहा- दोनों में से कोई भी 100 विधायक अपने साथ ले आए और मुख्यमंत्री बन जाए। मन तो दोनों का ही है। इससे अच्छा ऑफर उन्हें कहीं नहीं मिलेगा। ऑफर सिर्फ एक हफ्ते के लिए ही है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के साथ क्या किया? SPG हटाई, उनका घर छीन लिया। यह एक्सरसाइज पहले भी यूपी में हो चुकी है। नेताजी का और हमारा घर छीना, सुरक्षा ली। क्यों किया? डिमोर-लाइज करने के लिए। लेकिन, हम लोग कमजोर थोड़े हुए। हम लोग PDA और पीड़ा को समझते हुए आगे बढ़ गए। जो पीड़ित हैं, जो दुखी हैं, जो अपमानित हैं, उनके साथ हम लोग हैं। अखिलेश ने कहा- जैसे-जैसे पीड़ा बढ़ रही है, पीडीए बढ़ता चला जा रहा है। पीडीए का आंदोलन बढ़ता चला जा रहा है।

तमिलनाडु बंगाल ...

वाहनों की जांच और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और क्विक रिएक्शन टीमें भी तैनात की गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत पुलिस या आपात सेवाओं को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, यह कदम केवल सावधानी के तौर पर उठाए गए हैं। यह अलर्ट 10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास हुए एक कार बम धमाके के बाद आया है।

2026-27 का 3293 करोड़ का बजट पेश

गड्ढा मुक्त सड़कों के लिए 271 करोड़ का प्रावधान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। Lucknow Municipal Corporation ने वर्ष 2026-27 का मूल बजट पेश कर दिया है। रविवार को नगर निगम मुख्यालय में कार्यकारिणी समिति के समक्ष यह बजट प्रस्तुत किया गया, जिसमें आय-व्यय और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। बजट में कुल 3,29,335 लाख रुपये (करीब 3293 करोड़ रुपये) की अनुमानित आय का प्रस्ताव है, जबकि कुल व्यय 3,29,293 .25 लाख रुपये रखा गया है। इस बार बजट में कूड़ा प्रबंधन और सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। शहर की सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों के निर्माण के लिए 271 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि गड्ढा मुक्त सड़कों और यातायात सुगमता पर खर्च की जाएगी। लखनऊ में जलभराव की समस्या को देखते हुए नालों की सफाई के लिए 15 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676